दिनांक **8 अगस्त 2022** को दयानंद सुभाष नेशनल पी .जी. कॉलेज उन्नाव में स्वाधीनता आंदोलन के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव ' कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति द्वारा '**आजादी के आंदोलन में छात्रों की भूमिका'** विषय पर **संगोष्ठी एवं स्वरचित देशभक्ति काव्य पाठ** का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी का आरम्भ मुख्य अतिथि सुपरिचित साहित्यकार एवं अभ्युदय सेवा संस्थान के संस्थापक अध्य क्ष डॉ. प्रभात सिन्हा, सुविख्यात कवि एवं संचालक श्री अनिरुद्ध सौरभ एवं प्राचार्य प्रो . आनन्द शुक्ला ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया।सांस्कृतिक समिति की सदस्या कवयित्री डॉ.आकांक्षा श्रीवास्तव ने संगोष्ठी के उद्देशों पर प्रकाश डाला।डॉ प्र भात सिन्हा ने भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद को केंद्र में रखकर आजादी के आंदोलन में छात्रों एवं युवाओं की भूमिका पर अपनी बात रखी। संगोष्ठी में श्री अनिरुद्ध सौरभ ने अपनी कविताओं में स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों व् सीमा पर तैनात जवानों को समावेशित करते हुए वीर रस की कविताओ से श्रोताओं को देश भक्ति के प्रति जागृत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो . आनंद शुक्ला ने आजादी के आंदोलन में छात्रों एवं युवाओं की भूमिका पर विस्तृत चर्चा करते हुए आजाद के छात्र जीवन को स्वाधीनता आंदोलन से जोड़ा और कहा कि सभी छात्र-छात्राओं को आजाद के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

संगोष्ठी तथा काव्यपाठ में छात्र- छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और अपनी अपनी मनोहारी प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक समिति के प्रभारी डॉ सुद र्शन सिंह ने किया। सांस्कृतिक समिति के सदस्यगण डॉ राकेश चौरसिया ,डॉ गीता श्रीवास्तव डॉ शुभा द्विवेदी एवं डॉ अरविंद मिश्रा ने संगोष्ठी में आये हुए सभी शिक्षक- शिक्षिकाओं,शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व् छात्र- छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

दयानन्द सुभाष नेशनल (पी.जी.) कॉलेज
उन्नाव, उत्तर प्रदेश
स्वाधीनता के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में
आज़ादी का अमृत महोत्सव
के अन्तर्गत
सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम
संगोष्ठी
निबन्ध लेखन प्रतियोगिता
वाद-विवाद प्रतियोगिता
काव्य पाठ
पोस्टर-स्लोगन प्रतियोगिता
क्विज़ प्रतियोगिता
संभाषण
रंगोली प्रतियोगिता
लोक गीत गायन प्रतियोगिता
हर
घर
तिरंगा
अभियान

के अन्त
संगोष्ठी
काव्य पाठ
संभाषण
श्री मानवेन्द्र स्वरूप
सचिव, प्रबन्ध समिति
सदस्य सांस्कृतिक समिति-
हर
घर
तिरंगा